B.A Part-1 Paper-1 (General Psychology) Study material
Topic- Thurstone's Group Factor Theory. Dr. Prabha Shree (Guest Faculty, Deptt of Psychology, Vaishali Mahila College, Hajipur)

Thurstone's Group Factor Theory

इस सिद्धांत का प्रतिपादन E.L Thurstone (1938) द्वारा किया गया। Thurstone ने इस सिद्धांत का प्रतिपादन कई वर्षों तक किए गए कारक विश्लेषण (factor analysis) से प्राप्त तथ्यों के आधार पर किया। समूह कारक सिद्धांत जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसमें बुद्धि की व्याख्या के लिए कई कारकों को आधार माना गया है। Thurstone के समूह कारक सिद्धांत के

अनुसार मानसिक प्रक्रियाओं या योग्यताओं (Mental abilities) का एक सामान्य प्रधान कारक (common primary factor) होता है जो उन सभी मानसिक प्रक्रियाओं को आपस में एक सूत्र के आधार पर बांधे रखता है तथा साथ ही साथ इन मानसिक क्रियाओं को अन्य मानसिक क्रियाओं से भिन्न रखता है। इस प्रकार उन्होंने अपने अध्ययन में व्यक्ति की मानसिक योग्यता के संघटको (components) की स्पष्ट व्याख्या की है। इन संघटकों को हम प्रधान मानसिक योग्यताओं (Primary Mental Abilities) के नाम से जानते हैं। यह प्रधान मानसिक योग्यताएं निम्नलिखित हैं-

1. **शाब्दिक अर्थ योग्यता (Verbal Meaning Ability or V)**
2. **संख्यात्मक योग्यता (Number Ability or N)**
3. **शब्द-प्रवाह की योग्यता (Ability of word fluency or W)**
4. **प्रत्यक्ष ज्ञानात्मक गति की योग्यता (Perceptual speed Ability or P)**
5. **स्मृति योग्यता (Memory Ability or M)**
6. **स्थान संबंधी योग्यता (Spatial Ability or S)**
7. **तार्किक योग्यता (Reasoning Ability or R)**

वाचिक योग्यता:- वह योग्यता जिसके द्वारा एक व्यक्ति अपने शाब्दिक विचारों को प्रयुक्त करता है तथा उनको समझने का प्रयास करता है इसे अक्षर 'V' द्वारा संबोधित किया गया है।

संख्यात्मक योग्यता:- वह योग्यता जिसके आधार पर व्यक्ति साधारण गणितीय प्रकार्यों जैसे- जोड़ना, घटाना, एवं गुणा-भाग आदि करता है इसे अक्षर 'N' द्वारा संबोधित किया गया है।

शब्द प्रवाह की योग्यता:- इस योग्यता का संबंध व्यक्ति के तीव्र चिंतन से होता है तथा साथ ही साथ उसमें प्रयुक्त शब्दों के

प्रवाह से होता है। इसमें दिए हुए शब्दों से असंबंधित या भिन्न शब्दों को विचारने की क्षमता को 'शब्द प्रवाह' कहा गया है इसे अक्षर से 'F' संबोधित किया गया है।

प्रत्यक्षीकरण की योग्यता:- इस योग्यता के आधार पर व्यक्ति वस्तुओं के शीघ्रता से पहचान करता है तथा किसी घटना या वस्तु की विस्तृतता (details) का तेजी से प्रत्यक्षण करता है। इसे अक्षर 'P' द्वारा संबोधित किया गया है।

स्मृति योग्यता:- किसी भी कार्य को सीखना तथा याद रखना, किसी पाठ, विषय या घटना को शीघ्र-अतिशीघ्र याद कर लेने की

योग्यता स्मृति योग्यता कहलाती है, इसे अक्षर 'M' द्वारा संबोधित किया गया है।

स्थान संबंधी योग्यता:- इस योग्यता के आधार पर व्यक्ति किसी वस्तु के स्थान निर्धारण, प्रकाश निर्धारण, दूरी एवं गहराई आदि संबंधी निर्णय लेता है। इसका अत्यधिक प्रयोग ज्यामितीय, पेंटिंग एवं चित्रों आदि कार्यों में किया जाता है, इसे अक्षर 'S' से संबोधित किया गया है।

तार्किक योग्यता:- वाक्यों के समूह या अक्षरों के समूह में छिपे नियम की खोज करने की योग्यता को तार्किक योग्यता कहते हैं, इसका संबंध व्यक्ति के अमूर्त विचारों तथा

चिंतन से होता है। इसे 'R' द्वारा संबोधित किया गया है।

इस सिद्धांत के अनुसार भिन्न-भिन्न मानसिक क्रियाएं अपने अलग-अलग प्रधान कारकों (primary factors) द्वारा एक सूत्र में बंधकर अलग-अलग समूह का निर्माण करती हैं। अतः बुद्धि में मानसिक क्षमताओं के कई समूह होते हैं जिनमें से प्रत्येक समूह के अपने अलग-अलग कारक होते हैं जो उन सभी मानसिक क्षमताओं को एक सूत्र में बांध कर रखते हैं। इस प्रकार स्पष्ट है कि ऐसे प्रधान कारण आपस में एक दूसरे से स्वतंत्र होते हैं अर्थात उनमें नाम मात्र का ही संबंध होता है परंतु किसी एक प्रधान

कारक के अंतर्गत आने वाली सभी तरह की मानसिक क्षमता है आपस में काफी सहसंबंधित होती हैं। इस सिद्धांत को अल्पसंख्यक सिद्धांत (Oligarchical theory) कहा जाता है क्योंकि इसके अनुसार बुद्धि सात प्रधान क्षमताओं का मात्र एक जमावड़ा होता है उन सबों को एक में बांधने वाला कोई एक सार्वभौम (sovereign capacity) क्षमता नहीं होती है।